

उरहना पुं. (तद्.) उपालंभ, उलाहना शिकायत।

उरालय पुं. (तत्.) मन रूपी घर, घर माना गया जो हृदय।

उराव वि. (तद्.) चाह, उत्साह, साहस।

उराहना पुं. (तद्.) उलाहना, आरोप।

उर वि. (तत्.) 1. विशाल, विस्तृत, विपुल 2. श्रेष्ठ।

उरुक्रम वि. (तत्.) लंबे कदम रखने वाला पुं. 1. विष्णु का अवतार, जिसमें लम्बे डग रखकर पृथ्वी तीन कदम में नाप ली गई 2. दिनकर 3. महादेव।

उरुज पुं. (तत्.) उत्कृष्टता, उन्नति, समृद्धि, उत्थान।

उरुवा पुं. (तद्.) उल्लू जैसी आकृति वाला एक पक्षी। (रुआ नाम पक्षी)।

उरेब वि. (फा.) तिर्यक्, टेढ़ा, तिरछा।

उरेहना स.क्रि. (तद्.) चित्र खींचना, तस्वीर बनाना 2. लिखना, रचना 3. सलाई से लकीर खींचना।

उरोज पुं. (तत्.) स्तन, कुच, छाती।

उरोरुह पुं. (तत्.) दे. उरोज।

उरोस्थि स्त्री. (तत्.) पसलियों को जोड़ने वाली वक्षस्थल की आगे की हड्डी।

उर्ण पुं. (तत्.) ऊन, ऊर्ण (भेड़ के बालों से बना गरम धागा)।

उर्णनाभ पुं. (तत्.) ऊर्णनाभ, मकड़ा।

उर्दू पुं. (तुर्की.) 1. लश्कर, छावनी 2. पड़ाव, शिविर स्त्री. (तुर्की) भाषा. हिंदी की वह शैली जिसमें अरबी, फारसी भाषा के शब्दों की अधिकता होती है और जो फारसी लिपि में लिखी जाती है।

उर्दू-ए-मुआल्ला स्त्री. (तुर्की) उच्च कोटि की उर्दू जिसमें अरबी-फारसी के शब्दों की अधिकता हो तु. टकसाली उर्दू।

उर्दू बाजार पुं. (तुर्की) लश्कर का बाजार, (छावनी का) सदर बाजार।

उर्फ पुं. (अर.) प्रचलित नाम, पुकारने का नाम, उपनाम।

उर्मिला स्त्री. (तत्.) सीता की छोटी बहन जो लक्ष्मण से ब्याही थी।

उर्वर वि. (तत्.) अच्छी उपज या पैदावार देने वाला, उपजाऊ, जरखेज।

उर्वरक वि.पुं. (तत्.) कृषि. खेत को उपजाऊ करने वाली, उपज बढ़ाने वाली (खाद) जो भौतिक या रासायनिक ढंग से तैयार की जाती है और पौधों को सघन मात्रा में पोषक तत्व प्रदान करती है। fertilizer

उर्वशी स्त्री. (तत्.) 1. विषमय-वासना, इच्छा 2. इंद्रलोक की एक अप्सरा जो शापवश कुछ दिनों तक भूलोक में पुरुरवा की पत्नी बन कर रही।

उर्वी स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती, मैदान वि. विस्तृत।

उर्वीज वि. (तत्.) पृथ्वी से उत्पन्न होने वाला। धरासुत, पृथ्वीपुत्र (मंगल)।

उर्वीतल पुं. (तत्.) पृथ्वी का तल, धरती की सतह।

उर्वीधर पुं. (तत्.) धरती को धारण करने वाला, धराधर, पर्वत।

उर्वीपति पुं. (तत्.) धरती का स्वामी, पृथ्वीपति।

उर्वीरुह वि. (तत्.) पृथ्वी से उगने वाला पुं. तरु, वृक्ष, पेड़-पौधा।

उर्वीश पुं. (तत्.) पृथ्वी का स्वामी, पृथ्वीपति।

उर्स पुं. (अर.) किसी पीर आदि की पुण्य तिथि का (वार्षिक) उत्सव।

उलंग वि. (देश.) 1. नंगा, निर्वस्त्र 2. आवारा, अकारण इधर-उधर भटकने वाला।